Date: 24 **जुलाई** 2023

भारत-श्रीलंका

पाठ्यक्रम: जीएस 2 / अन्तरराष्ट्रीय संबंध

संदर्भ-

- श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे हाल ही में भारत दौरे पर आए थे। दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों के बीच द्विपक्षीय वार्ता हुई।

द्विपक्षीय वार्ता की मुख्य बातें-

सहयोग पर दस्तावेज:-

- दोनों पक्षों ने पशुपालन, नवीकरणीय ऊर्जा, पूर्वी श्रीलंका के त्रिंकोमाली जिले में विकास परियोजनाओं और दोनों पक्षों के बीच ऑनलाइन भुगतान सेवाओं **के क्षेत्र में** सहयोग पर दस्तावेजों **का आदान-प्रदान किया** ।
- **त्रिंकोमाली पर समझौता ज्ञापन का** उद्देश्य बंदरगाह और इसके आस-पास के क्षेत्रों को अक्षय ऊर्जा सहित उद्योग, ऊर्जा के लिए क्षेत्रीय केंद्र के रूप में विकसित करना है।

डिजिटल लेनदेन पर समझौता:-

- श्रीलंका में भारत के यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) **की स्वीकृति की सुविधा के लिए** लंका पे और ईसीआई इंटरनेशनल **के बीच डिजिटल लेनदेन पर समझौते पर हस्ताक्षर किए गए थे**।

यातायात:-

- दोनों पक्षों ने **समुद्री, ऊर्जा और लोगों के बीच संपर्क** बढ़ाने के लिए **एक दृष्टि पत्र को अपनाया।**
- पीएम मोदी ने घोषणा की कि **तमिलनाडु के 'नागपट्टिनम' और उत्तरी श्रीलंका के कांकेसनथुरई** को जोड़ने के लिए जल्द ही एक **यात्री नौका सेवा शुरू की जाएगी**।
- भारत और श्रीलंका दक्षिण भारत को **त्रिंकोमाली, बट्टिकलोवा और द्वीप राष्ट्र के अन्य गंतव्यों** से जोड़ने की संभावनाएं तलाश रहे हैं।
- राष्ट्रपति विक्रमसिंघे ने **श्रीलंका में** भारतीय पर्यटकों की आमद को बढ़ावा देने के लिए अपने विचार प्रस्तुत किए। इस संबंध में, **रामायण चिन्ह और बौद्ध-हिंदू तीर्थ सर्किट के प्रचार** पर चर्चा की गई।

तमिल आबादी के लिए तेरहवां संशोधन और संशोधन:-

- भारतीय प्रधान मंत्री ने श्रीलंका से **तेरहवें संशोधन को लागू करने और** अपनी तमिल आबादी के लिए "सम्मान और गरिमा का जीवन" सुनिश्चित करने का आह्वान किया।
- उन्होंने भारतीय मूल के तमिलों के लिए विकास सहायता पैकेज की भी घोषणा की, जो द्वीप राष्ट्र में अपने आगमन की 200 वीं वर्षगांठ मना रहे हैं।
- प्रधानमंत्री ने यह भी उम्मीद जताई कि श्रीलंका में प्रांतीय परिषद के चुनाव जल्द होंगे।

मछुआरों का मुद्दा:-

- पीएम मोदी ने बताया कि दोनों पक्षों ने मछुआरों के मुद्दे पर चर्चा की और आग्रह किया कि मामले को "मानवीय दृष्टिकोण" के माध्यम से देखा जाना चाहिए।

श्रीलंका संकट के दौरान भारत की सहायता:-

- विक्रमसिंघे ने पिछले साल भारत द्वारा श्रीलंका को दिए गए समर्थन की सराहना की और इसे 'श्रीलंका के आधुनिक इतिहास का सबसे चुनौतीपूर्ण दौर' करार दिया।
- भारत श्रीलंका के उत्तरी और पूर्वी हिस्सों में विकास कार्यक्रमों के लिए भी अतिरिक्त योगदान देगा।

भारत-श्रीलंका संबंध-

- भारत और श्रीलंका के बीच बौद्धिक , सांस्कृतिक, धार्मिक और भाषाई संपर्क की विरासत है और दोनों देशों के बीच संबंध 2500 साल से अधिक पुराने हैं।
- **व्यापार और निवेश बढ़ा है** तथा विकास, शिक्षा, संस्कृति और रक्षा के क्षेत्र में सहयोग जारी है।
- हाल के वर्षों में, **श्रीलंका में आंतरिक रूप से विस्थापित व्यक्तियों (आईडीपी) और आबादी के वंचित वर्गों के लिए विकासात्मक सहायता परियोजनाओं के कार्यान्वयन में महत्वपूर्ण प्रगति ने दोस्ती के बंधन को और मजबूत करने में मदद की है।**
- श्रीलंकाई बलों और लिट्टे के बीच **करीब तीन दशक तक चला सशस्त्र संघर्ष** मई 2009 में समाप्त हुआ था , संघर्ष के दौरान, भारत ने आतंकवादी ताकतों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए श्रीलंका सरकार के अधिकार का समर्थन किया।

वाणिज्यिक साझेदारी: –

- दोनों देशों के बीच एक जीवंत और बढ़ती आर्थिक और वाणिज्यिक साझेदारी है , जिसमें पिछले कुछ वर्षों में काफी विस्तार हुआ है।
- 2020 में, भारत लगभग 3.6 बिलियन अमरीकी डालर के द्विपक्षीय व्यापारिक व्यापार के साथ श्रीलंका का दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार था।
- भारत श्रीलंका में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश में सबसे बड़े योगदानकर्ताओं में से एक है।

लाइन ऑफ क्रेडिट के तहत परियोजनाएं:–

- पिछले 15 वर्षों में भारतीय निर्यात-आयात बैंक द्वारा श्रीलंका को 11 लाइन ऑफ क्रेडिट (एलओसी) प्रदान किए गए हैं।
- इन एलओसी के अंतर्गत जिन महत्वपूर्ण क्षेत्रों में परियोजनाएं निष्पादित की गई हैं/निष्पादित की जा रही हैं, उनमें रेलवे, परिवहन, संपर्क, रक्षा, सौर शामिल हैं।
- जून 2021 में श्रीलंका सरकार और एक्जिम बैंक के बीच श्रीलंका में सौर परियोजनाओं को शुरू करने के लिए 100 मिलियन अमेरिकी डॉलर के एलओसी पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

प्राचीन संबंध: –

- बौद्ध धर्म दोनों राष्ट्रों और सभ्यताओं को जोड़ने वाले सबसे मजबूत स्तंभों में से एक है जब महान भारतीय सम्राट अशोक ने श्रीलंका के राजा देवनामपिया तिस्य के अनुरोध पर भगवान बुद्ध की शिक्षाओं को फैलाने के लिए अपने बच्चों अराहत महिंदा और संगमित्रा को भेजा उनके दरबार में भेजा था।

मानव संसाधन विकास:-

- भारत श्रीलंकाई छात्रों को सालाना लगभग 710 छात्रवृत्ति स्लॉट प्रदान करता है।
- इसके अलावा, भारतीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग (आईटीईसी) कार्यक्रम के तहत , भारत हर साल श्रीलंका सरकार के विभिन्न मंत्रालयों के अधिकारियों और अन्य पात्र नागरिकों को कौशल सेट बढ़ाने के लिए विभिन्न प्रकार के तकनीकी और व्यावसायिक विषयों में अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए 402 पूरी तरह से वित्त पोषित स्लॉट प्रदान करता है।
- 'स्टडी इन इंडिया' कार्यक्रम के तहत भारतीय संस्थान विभिन्न प्रकार के पाठ्यक्रमों में तकनीकी विशेषज्ञता प्रदान करते हैं और आयुर्वेद, योग और बौद्ध अध्ययन जैसे आला विषयों में कार्यक्रम शामिल करते हैं।

रक्षा:-

- भारत और श्रीलंका 'मित्र शक्ति' नामक एक संयुक्त सैन्य अभ्यास और SLINEX नामक एक नौसेना अभ्यास आयोजित करते हैं।

हाल ही में श्रीलंका संकट के दौरान समर्थन:-

- श्रीलंका को हाल ही में **विदेशी मुद्रा की कमी के कारण एक** तीव्र आर्थिक और ऊर्जा संकट का सामना करना पड़ा।
- भारत ने फरवरी और मार्च में वित्तीय सहायता का4 अरब डॉलर का पैकेज दिया है।
- भारत ने श्रीलंका की आर्थिक बहाली में सहायता करने और विभिन्न संयुक्त परियोजनाओं के लिए विशेषज्ञों को भी नियुक्त किया।
- भारत ने इस साल की शुरुआत में श्रीलंका को ईंधन खरीद के लिए 400 मिलियन डॉलर की मुद्रा स्वैप और 500 मिलियन डॉलर की क्रेडिट लाइन दी थी।
- जनवरी 2022 से, भारत ने श्रीलंका के साथ कई महत्वपूर्ण द्विपक्षीय समझौतों पर भी हस्ताक्षर किए हैं , जिसमें त्रिंकोमाली ऑयल टैंक फार्म्स का संयुक्त विकास, और उत्तर और पूर्व में तीन प्रमुख बिजली परियोजनाएं शामिल हैं, जिसमें राष्ट्रीय ताप विद्युत निगम (एनटीपीसी) और अडानी समूह शामिल हैं।

स्रोत: TH

Rajiv Pandey

इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट (ई-सिगरेट)

पाठ्यक्रम: जीएस 2 / स्वास्थ्य

संदर्भ-

- हाल ही में स्वास्थ्य मंत्रालय ने प्रतिबंध बाद जारी ई-सिगरेट पर के उल्लंघन की **रिपोर्ट करने के लिए एक ऑनलाइन पोर्टल लॉन्च किया है।**

प्रमुख बिन्दु-

- **भारत सरकार ने इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट (उत्पादन , निर्माण, आयात, निर्यात, परिवहन, बिक्री, वितरण, भंडारण और विज्ञापन) अधिनियम (पीईसीए) के निषेध के तहत** ई-सिगरेट पर प्रतिबंध लगा दिया है **, जो 2019 में लागू हुआ था।**
- औपचारिक प्रतिबंध के बावजूद , सिगरेट की दुकानों और विभिन्न ऑनलाइन बाजारों में ई-सिगरेट उपलब्ध हैं। अधिनियम के तहत उल्लंघनों की रिपोर्टिंग की सुविधा के लिए ऑनलाइन पोर्टल लॉन्च किया गया है।

इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट (ई-सिगरेट)-

- ई-सिगरेट या इलेक्ट्रॉनिक निकोटिन डिलिवरी सिस्टम (Electronic Nicotine Delivery Systems-ENDS) एक बैटरी संचालित डिवाइस है , जो तरल निकोटिन , प्रोपलीन, ग्लाइकॉल, पानी, ग्लिसरीन के मिश्रण को गर्म करके एक एयरोसोल (Aerosol) बनाता है, और यह एक असली सिगरेट जैसा अनुभव देता है।
- ई-सिगरेट को "ई-सिग्स," "ई-हुक्का," "मोड्स," "वेप पेन," "वेप्स," "टैंक सिस्टम" और "इलेक्ट्रॉनिक निकोटीन डिलीवरी सिस्टम (ईएनडीएस) के रूप में भी जाना जाता है।
- ई-सिगरेट नियमित सिगरेट की तुलना में कम हानिकारक होते हैं क्योंकि उनमें नियमित सिगरेट के धुएं में 7000 रसायनों के घातक मिश्रण की तुलना में कम जहरीले रसायनों के साथ एयरोसोल होता है।

ई-सिगरेट के साथ समस्याएं

- ई-सिगरेट का अत्यधिक प्रयोग मानव स्वास्थ्य के लिये काफी गंभीर साबित हो सकता है। चूँकि ई-सिगरेट में निकोटिन की अधिकता पाई जाती है, इसलिये इसके प्रयोग से ब्लडप्रेशर संबंधी समस्याएँ बढ़ सकती हैं।
- ई-सिगरेट न सिर्फ कैंसर का कारण बन सकता है, बल्कि इससे हार्ट अटैक का खतरा भी बढ़ जाता है।
- कई अध्ययनों से पता चला है कि ई-सिगरेट बच्चों, किशोरों और गर्भवती महिलाओं के लिये बहुत हानिकारक है। ई-सिगरेट पीने वाले लोगों में श्वसन और जठरांत्र संबंधी रोग पाए गए।
- इसके प्रयोग से मस्तिष्क के विकास में बाधा उत्पन्न होती है एवं सिखाने की क्षमता में भी कमी आती है।

भारत की स्थिति-

- चूंकि ई-सिगरेट में निकोटीन होता है न कि तम्बाकू , ये सिगरेट **और अन्य तंबाकू उत्पाद अधिनियम (सीओटीपीए) 2003 के दायरे में नहीं आते हैं।**
- **सीओटीपीए की धारा 4**: सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान का निषेध ; **बी) धारा 5:** सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पादों के विज्ञापन का निषेध;
- **धारा 6:** 18 वर्ष से कम आयु के किसी भी व्यक्ति को और किसी विशेष क्षेत्र में सिगरेट या अन्य तंबाकू उत्पादों की बिक्री पर प्रतिबंध।
- एक रिपोर्ट के अनुसार , भारतीय ई-सिगरेट उद्योग की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर 2013-2019 की अवधि में 63.38 प्रतिशत थी।

आगे का रास्ता

- भारत सरकार को मौजूदा नियामक शून्य को भरने के लिए उचित स्वास्थ्य चेतावनी सहित ई-सिगरेट की बिक्री और विज्ञापन पर उचित प्रतिबंध लगाना चाहिए।

स्रोत: IE

Rajiv Pandey